[Shn H. Hanumanthappa]

for 6 p.m. Therefore, let us try to complete this within one hour. The statements were made yesterday. If we do not complete it today, it won't look nice.

SHRI V., NA'RAYANASAMY: We will co-operate with you, Sir.

CLARIFICATIONS ON STATEMENT BY MINISTER RE. BOMB EXPLOSION IN A MOSQUE IN RAI J.BAREILLY, UTTAR PRADESH ON 3RD AUGUST, 1992

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश) : मोहतरम, जो मिनिस्टर साहब ने स्टेटमेंट आया है, जाहिर है कि वही कहा जाएगा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने जो इनफर्मेशन दी है, उसी की बुनियाद पर वह स्टेटमेंट दिया गया है।

तो मुझे लगता है कि अब तक उत्तर प्रदेश सरकार के जरिए यहां जितने भी उसके स्टेटमेंट इस किस्म के मामलात में आये हैं, वह बहुत ही कनफ्यूजिंग रहे हैं और उससे कुछ पता नहीं लगता है कि वह क्या कहना चाहते हैं और क्या बताना चाहते हैं।

राय बरेली का जो वाकया हुआ है, यह सोलहवीं सदी की मस्जिद है, जो एक बम के धमाके से फटी है। उसमें दो बच्चे मारे गये हैं और एक लड़की बराबर के मकान के अंदर जख्मी हुई है।

सबसे पहले तो मैं यह जानना चाहता हूं कि राय बरेली जो बहुत ही सेक्युलर किरदार का एक शहर रहा है, वहां पर कुछ दिनों से क्या फिरकेवाराना तनाव मौजूद था ?

क्या यह बात सही है कि 17 जुलाई और 20 जुलाई को दो दिन वहां पर जुलूस निकले, जिससे काफी टेंशन पैदा हुई और फिर 31 जुलाई को बुरहाना के वक्फ के कब्रिस्तान की चारदीवारी के एक हिस्से को तोड़ा गया, जिससे टेंशन पैदा हुई और उसके बाद 3 अगस्त को यह बम फटने का वाकया हुआ ?

तास्सुर ऐसा मिलता है कि मस्जिद के अंदर बम फटा और कुछ लोगों से वहां तक इल्जाम लगाया है कि मस्जिद के बेसमेंट में बम था और वह फटा।

मैं यह जानना चाहूंगा कि क्या सरकार वजाहत करेंगी कि बम एक्जक्टली किस जगह फटा (समय की घंटी) बेसमेंट में फटा था कहीं और फटा है ?

दूसरी अहम बात यह है कि यह जो तमाम वाक्यात मैंने बताये, जिससे टेंशन डिवेलप हुई और 31 अगस्त को जिस कब्रिस्तान की चारदीवारी को तोड़ा गया, तो क्या वहां पर एक मखसूस जमात से ताल्लुक रखने वाला शख्स को, जिसका नाम नरेश कोहली बताया जाता है, क्या उस के खिलाफ एफ० आई० आर० दर्ज कराई गई ? अगर कराई गई थी, तो क्या उसको गिरफ्तार किया गया था ? अगर नहीं किया गया था, तो क्यों नहीं किया गया था ?

श्री संघ प्रिय गौतम : 31 अगस्त तो अ भी आया भी नहीं है।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : 31 जुलाई।

श्री संघ प्रिय गौतम : आपने अगस्त कहा।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: शुक्रिया आपका। तो अभी जो मस्जिद वाला वाक्या हुआ है, इसमें भी जिसके दोनों बच्चे मरे हैं, वह दोनों सगे भाई हैं—नौ साल का और दस साल का, इनके बाप ने एफ० आई० आर० जिन लोगों के खिलाफ दर्ज कराई है, मेरी मालूमात के अंदर नरेश कोहली का नाम उसके अंदर भी शामिल है।

ہوں کہ رائے بریلی جو بہت ہی سیکولر کردار کا شہر رہا ہے۔ وہاں پر کچھ دنوں سے کیا فرقہ وارانہ تناؤ موجود ہے۔

کیا یہ بات صحیح ہے کہ ۱۷ جولائی اور ۲۰ جولائی کو دو دن وہاں جلوس نکلے۔ جس سے کافی ٹینشن پیدا ہوئی اور پھر ۳۱ جولائی کو برہانا کے وقف قبرستان کی چہار دیواری کے ایک حصہ کو توڑا گیا۔ جس سے ٹینشن پیدا ہوئی اور اس کے بعد ۳ اگست کو یہ بم پھٹنے کا واقعہ ہوا۔

تاثر ایسا ملتا ہے کہ مسجد کے اندر بم پھٹا اور کچھ لوگوں نے یہاں تک الزام لگایا ہے کہ مسجد کے بیسمنٹ میں بم تھا اور وہ پھٹا۔

میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ کیا سرکار وضاحت کرے گی کہ بم ایگزیکٹلی کس جگہ پھٹا۔ "وقت کی گھنٹی"، بیسمنٹ میں پھٹا یا کہیں اور پھٹا۔

دوسری اہم بات یہ ہے کہ یہ جو تمام واقعات میں نے بتائے۔ جس سے ٹینشن ڈیولپ ہوئی۔ اور ۳۱ اگست کو جس قبرستان کی چہار دیواری کو توڑا گیا تو کیا وہاں پر ایک مخصوص جماعت سے تعلق رکھنے والا شخص کو۔ جس کا

क्या उसको गिरफ्तार किया गया? क्या सरकार के पास ऐसी कोई जानकारी है? उत्तर प्रदेश सरकार के पास, पता नहीं है या नहीं है, लेकिन मरकजी सरकार के पास ऐसी कोई जानकारी है कि इस बम के धमाके का ताल्लुक नरेश कोहली और उससे ताल्लुक रखने वाली जमात का उसमें कोई हाथ है। मैं यही जानना चाहता हूं।

شری محمد افضل عرف م۔ افضل:۔ "اتر پردیش": محترم۔ جو منسٹر صاحب کا اسٹیٹمنٹ آیا ہے۔ ظاہر ہے کہ یہی کہا جائیگا کہ اتر پردیش سرکار نے جو انفارمیشن دی ہے۔ اس کی بنیاد پر یہ اسٹیٹمنٹ دیا گیا ہے۔

تو مجھے لگتا ہے کہ اب تک اتر پردیش سرکار کے ذریعے یہاں جتنے بھی اس کے اسٹیٹمنٹ اس قسم کے معاملات میں یہاں آئے ہیں۔ وہ بہت ہی کنفیوز نگ رہے ہیں اور اس میں کچھ پتہ نہیں لگتا ہے کہ وہ کیا کہنا چاہتے ہیں اور کیا بتانا چاہتے ہیں۔

رائے بریلی میں جو واقعہ ہوا ہے۔ یہ سولہویں صدی کی مسجد ہے۔ جو ایک بم کے دھماکے سے پھٹی ہے۔ اس میں دو بچے مارے گئے ہیں اور ایک لڑکی برابر کے مکان کے اندر زخمی ہوئی ہے۔

سب سے پہلے تو میں یہ جاننا چاہتا

†[]Translitoratioa in Arabic Script.

نام نریش کوہلی بتایا جاتا ہے۔ کیا اس کے خلاف ایف۔آئی۔آر۔ درج کرائی گئی۔ اگر کرائی گئی تھی تو کیا اُس کو گرفتار کیا گیا تھا۔ اگر نہیں کیا گیا تھا تو کیوں نہیں کیا گیا تھا۔

شری سنگھ پرییئے گوتم: ۳۱ اگست تو ابھی آیا بھی نہیں ہے۔

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: ۳۱ جولائی۔

شری سنگھ پرییئے گوتم: آپ نے اگست کہا۔

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: شکریہ آپ کا۔ تو ابھی جو مسجد والا واقعہ ہوا ہے۔ اس میں بھی جس کے دونوں بچے مرے ہیں وہ دونوں سگے بھائی ہیں۔ نو سال کا اور دس سال کا۔ اُن کے باپ نے ایف۔آئی۔آر۔ جن لوگوں کے خلاف درج کرائی ہے میری معلومات کے اندر نریش کوہلی کا نام اس کے اندر بھی شامل ہے۔ کیا اس کو گرفتار کیا گیا۔ کیا سرکار کے پاس ایسی کوئی جانکاری ہے۔ پتہ نہیں ہے یا نہیں ہے۔ لیکن مرکزی سرکار کے پاس ایسی کوئی جانکاری ہے کہ اس بم دھماکے کا تعلق نریش کوہلی اور اس سے تعلق رکھنے والی جماعت کا اس میں کوئی ہاتھ ہے۔ یا میں یہی جاننا چاہتا ہوں۔

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मेरे सिर्फ दो तीन सवाल है। एक तो यह है कि जो बम विस्फोट हुआ, तो इसके बारे में क्या सरकार के पास जानकारी है कि बम वहां पर तुरंत फेंका गया या बम पहले से ही रखा हुआ था?

इसके संबंध में कोई सूचना मिली हो, तो बताने की कृपा करें।

दूसरा, मैं समझता हूं कि जो बीस हजार रुपये की धनराशि दो मृतकों के लिए दी गई है, वह बहुत ही कम है। दो कीमती जानें गई है तो केन्द्र सरकार भी कुछ सहायता करने की सोच रही है या नहीं कर रही है? अगर कर रही है तो कितना है? तीसरे, उस दिन आपने जब अपना वक्तव्य दिया था तो उसमें कहा था कि नष्ट हुई मस्जिद की दीवार और चबूतरे की मरम्मत के लिए प्रबन्ध किए जा रहे हैं। यह घटना 3 अगस्त को हुई थी इसलिए मैं जानकारी चाहता हूं कि जो भी दीवार को क्षति हुई है, नुकसान हुआ है, चबूतरे को नुकसान हुआ है तो उसके सिलसिले में निर्माण कार्य अब तक शुरु किया गया है या नहीं शुरू किया गया और कितने दिन में उस निर्माण कार्य के पूरे होने की खबर है?

श्री अनन्तराम जायसवाल (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, रायबरेली में जो घटना हुई है वह इस बात का संकेत देती है कि उत्तर प्रदेश में सांप्रदायिक तनाव है। राम जन्म भूमि और बाबरी मस्जिद को लेकर तनाव पहले से ही है और मस्जिदों को तोड़ने से उस तनाव में और इजाफा हो रहा है मान्यवर, मस्जिद में बम फटने की कोई पहली वारदात नहीं है, इसके पहले भी फैजाबाद में हो चुका है। क्या मंत्री जी यह बतायेंगे कि वह उत्तर प्रदेश सरकार को आगाह करायेंगे कि इस तरह की वारदातों से तनाव बढ़ रहा है और खुद अपनी मशीनरी को भी चौकस करेंगे कि इस हालत पे नजर रखें? दूसरी चीज जिसकी तरफ मैं आपके माध्यम से गृह मंत्री जी का ध्यान खींचना

चाहता हूं वह यह है कि वक्तव्य में कहा गया है कि सी०आई०डी० से इसकी जांच कराई जा रही है ताकि इन्वेस्टीगेशन में तेजी आए और प्रभावी हो, लेकिन मैं आपसे यह निवेदन करना चाहता हूं कि सी०आई०डी० जांच का इधर कुछ सालों से प्रदेश सरकारों के जरिए दुरुपयोग किया जा रहा है। जब सरकार को किसी अभियुक्त या मुलजिम की तुरन्त गिरफ्तारी बचानी होती है, तो उसमें सी०आई०डी० इन्क्वायरी कर दी जाती है। फौरन मुलजिम के ऊपर कोई आंच न आए, गिरफ्तार न किया जाए इसलिए सी०आई०डी० जांच का सहारा लिया जाता है। क्या आपका ध्यान इस तरफ गया है कि सी०आई०डी० इन्क्वायरी के जरिए से मुलजिमान की गिरफ्तारी को रोका गया मुलजिमान इस केस में नामजद है। हमारी यह सूचना है कि उन पर नामजद मुलजिमान को थाने में लाया गया, लेकिन चूंकि सी०आई०डी० की इन्क्वायरी का फौरन सरकार ने आदेश कर दिया इसलिए उनको छोड़ दिया गया। इससे एक बात और साबित होती है कि सरकार जो उत्तर प्रदेश की है वह मुलजिमान की गिरफ्तारी को रोकने में दिलचस्पी रखती है। इसलिए मैं आपसे यह जानना चाहता हूं कि क्या आप मालूम करेंगे कि किन सरकमस्टांसेज में सी०आई०डी० इन्क्वायरी की गई जबकि सी०आर०पी० की यह सामान्य प्रक्रिया है कि जिस थाने की वारदात है, उस थाने का कोई अधिकारी उसकी जांच करेगा। फिर सी०आई०डी० जांच का सहारा क्यों लिया गया, इस पर क्या आप प्रकाश डालने की कोशिश करेंगे ?

श्री राम गोपाल यादव : (उत्तर प्रदेश) : महोदय, 3 तारीख को जो बम विस्फोट हुआ उससे पहले 31 तारीख को एक कब्रिस्तान की दीवार गिरा दी गई थी। प्रशासन के हस्तक्षेप पर वह दीवार बनाई गई। इंतजामिया कमेटी के चेयरमैन ने एफ०आई०आर० लाज कराने लिए एप्लीकेशन दी। यह कहा गया कि एफ०आई०आर० लाज हो गई है, लेकिन नहीं हुई। जो उस एफ०आई०आर० जो पहली दरख्वास्त थी उसमें जो व्यक्ति मुख्य मुलजिम था उसके खिलाफ ही और अन्य कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ 3 तारीख को जो बम विस्फोट हुआ, उसमें।... (व्यवधान)...

श्री संघ प्रिय गौतम : एक पार्टी के एलाउ कर सकते हैं ?... (व्यवधान)...

SHRI RAM GOPAL YADAV: This issue was raised by me in the House, Mr. Gautam.

उपसभाध्यक्ष (श्री हेच० हनुमनतप्पा) : जब चेयरमैन बुलाते हैं तो वह एलाउ हो गया।

Why do you question that ?

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: He has got a guilty conscience. That is why he is getting up.

श्री राम गोपाल यादव : सर, 3 तारीख को जिस वक्त मृत बच्चों के वारिस ने कोतवाली में एफ०आई०आर० दर्ज कराई। उस वक्त एफ०आई०आर० में नंबर एक पर जिस मुलजिम का नाम है वह कोतवाली में बैठा हुआ था। प्रश्न यह है कि क्या माननीय गृहमंत्री जी इस बात की जांच कराएंगे कि वह अभियुक्त वहां था ? एक बात। दूसरा प्रश्न, यह है कि जब इस तरह से सत्ता से जुड़े हुए लोग इतने गंभीर मसले में नहीं पकड़ जाएंगे, सरकार की विश्वसनीयता पूरी तरह से संदिग्ध जहां हो चुकी हो वहां क्या सी०आई०डी० वहां के लोगों को न्याय दे सकेगी ? लोगों की आस्था वहां पूरी तरह से उठ चुकी है। माइनोरिटी पूरी तरह से डरी हुई है, आतंकित है भयभीत है, उसको कोई उम्मीद नहीं है कि उत्तर प्रदेश की सरकार से उसे न्याय मिलेगा। इसलिए मैं आपके माध्यम से माननीय गृह मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि सी०आई०डी० की जांच जो अपराधियों को बचाने के लिए है उसकी जगह उत्तरप्रदेश को सरकार को राजी करके सी०बी०आई० के माध्यम से इसकी जांच कराएंगे ताकि निष्पक्षता पर कोई आंच न आए ?

महोदय, एक और प्रश्न है कि सरकार द्वारा एक आदमी की कीमत के लिए जो बीस हजार रुपये दे दिया गया है, यह क्या सफिसिएण्ट है ? हमेशा पहले एक-एक लाख रुपया मुआवजे के तौर पर दिया जाता रहा है। तो मेरी डिमांड है कि मृतकों के लिए एक-एक लाख रुपया और जो घायल हैं उनको पचास-पचास हजार रुपया मुआवजा दिया जाय। धन्यवाद

उपसभाध्यक्ष (श्री हेच० हनुमनतप्पा): श्री वी. के. शास्त्री । We can save time if the questions axe not repeated. Many Members have asked questions. The Minister has noted them down. New questions can be asked.

श्री विष्णुकांत शास्त्री (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहुंगा कि क्या वे इस तथ्य से अवगत हैं कि उत्तरप्रदेश में बम विस्फोटों की एक श्रृंखला रही है ? मार्च, 30 को फैजाबाद के एक पूजा स्थल पर बम विस्फोट हुआ था, बाद में लखनऊ रेलवे स्टेशन पर हुआ, फिर तराई के रूद्रपुर में बम-विस्फोट हुआ। यह तीनों बम-विस्फोट इतने शक्तिशाली थे कि माना गया था कि इसके पीछे विदेशी ताकतों का हाथ है, विशेषकर पाकिस्तान के द्वारा प्रशिक्षित आतंकवादियों का । तो क्या यह चौथा बम-विस्फोट भी उसी श्रृंखला का एक अंश है ? क्या यह समझा जा रहा है कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने हिन्दु मुस्लिम एकता की एक मिसाल वहां उपस्थित की है, एक भी हिन्दु मस्लिम दंगा नहीं हो रहा है मुलायम सिंह की सरकार के बाद, वहां हिन्दू–मुस्लिम दंगा भड़काने के लिए कोई योजना बन रही है इस देश में या विदेशों में ? मैं इस बात की जानकारी माननिय मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा ।.....

महोदय, मैं यह भी जानना चाहूंगा कि क्या यह स्पष्ट नहीं है कि वर्तमान बम विस्फोट के साथ ही वहां पर जांच-कर्ताओं का दल गया और वहां यह प्रमाणित हुआ कि बम उसी पूजा-स्थल के भीतर था, उसके तहखाने में था ? अगर इस बात को वहां स्वीकार किया गया है तो उसकी क्या जानकारी मंत्री महोदय के पास है ? वह जानकारी भी बताई जाए ।

महोदय, सिर्फ एक बात और मैं कहना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश सरकार ने न केवल रायबरेली के पीड़ितों को बल्कि तराई के पीड़ितों को भी समान राशि दी है, उसमें कोई भदभाव नहीं किया है । जो स्थिति वह: है, वहां हिन्दू-मुस्लिम एकता को जिस तरह से हमारी उत्तर प्रदेश की सरकार बरकरार रखना चाहती है उसमें क्या कुछ लोग बाधा डालना चाहते हैं ? ऐसी कोई सूचना माननीय गृहमंत्री जी के पास और केन्द्रीय सरकार के पास है या नहीं ? मैं यह जानना चाहता हूं ।

उपसभाध्यक्ष (श्री हेच० हनुमनतप्पा) : श्री मोहम्मद खलीलुर रहमान । श्री डविड लेजर । श्री मोहम्मद सलीम ।

श्री ईशदत्त यादव : उपाध्यक्ष जी, हमको भी टाइम दे दीजिए ।

उपसभाध्यक्ष (श्री हेच० हनुमनतप्पा) : एक देना था, दो दे दिया है। छोड़ दीजिए अब ।

श्री ईशदत्त यादव : मेरा नाम है।

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल) : मान्यवर, आतंकवाद और आतंकवाद के शिकार यह दोनों ही हमारे देश में बढ़ते जा रहे हैं और उत्तर प्रदेश में भी, जैसा हमारे दूसरे साथी कह रहे थे कि श्रृंखला में कई बम-विस्फोट होते गए कई जगहों पर ।

۔ شری محمّد سلیم: مانئے ور۔ آتنکواد اور آتنکواد کے شکار۔ یہ دونوں ہی ہمارے دیش میں بڑھتے جا رہے ہیں۔ اور اتر پردیش میں بھی۔ جیسا ہمارے دوسرے ساتھی کہہ رہے تھے کہ شرنکھلا میں کئی بم وسپھوٹ ہوتے گئے کئی جگہوں پر۔

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI H. HANUMANTHAPPA): Put pointed questions please.

श्री मोहम्मद सलीम : तो यह जो बम विस्फोट हुआ रायबरेली में, इस रिपोर्ट से पता चलता है कि बहुत ही शक्तिशाली विस्फोट था यह। लेकिन जो बयान यहां दिया गया है,

SHRI SATYA PRAKASH MALA-VTYA: You should be generous.

उसमें एक्सप्लोसिव मटीरियल के बारे में कुछ कहा नहीं गया—कैसा था, किस तरह था, लेकिन एक अंदाज से पता चलता है कि डेमरेज हटाना पड़ा कि उसके नीचे कोई और लाश है या नहीं है। तो विस्फोटक पदार्थ जो थे, उसकी शक्ति कितनी थी, उसका अंदाजा लगाया जा सकता है। फैजाबाद का जिक्र आया, इससे पहले वहां भी एक मस्जिद में इस तरह से विस्फोट हुआ था और एक ही जैसा बयान निकलता है, गृह मंत्रालय से जो बयान निकलता है उसके आखिर में कह देते है कि :

"A strict watch on the situation is being kept by the senior officers, and police is patrolling iRai Bareilly city."

ऐसे ही दूसरे केस में था। लेकिन इसके फालो-अप एक्शन के बारे में गृह मंत्री जी कुछ करते हैं? जैसा मैंने पहले दूसरे बयान के बारे में कहा था कि मेल बैंक सर्विस के अलावा गृह मंत्रालय का कोई और काम है या नहीं, क्योंकि इसमें भी बताया गया है, रायबरेली कांड में भी, कि अब तक एफ०आई०आर० होने के बाद भी कोई अरेस्ट नहीं हुआ।... (समय की घंटी) मैंने एक ही सवाल अभी रखा है, बहुत से सवाल हैं।

उपसभाध्यक्ष (श्री हेच0 हनुमनतप्पा) : कन्साइज करना है। प्रिएम्बल छोड़ दीजिए, स्ट्रेट क्वेश्चन पूछिए।

श्री मोहम्मद सलीम : कोई अरेस्ट हुआ है? दूसरी बात यह है कि कोई बयान अगर आप एक बार सदन में रख देते हैं, चाहे वह राज्य सरकार से मिला हो, तो आपकी भी कुछ जिम्मेदारी होती है। तो आप जब फैजाबाद के सवाल पर भी यहां रखे थे कि उसके बाद कड़ाई से बंदोबस्त किया जाएगा, तो आपने, गृह मंत्रालय ने क्या बंदोबस्त किए थे? क्या आपने कभी खबर भी रखी है कि कितने अरेस्ट हुए? जो अरेस्ट हुए, वह चार्जशीट हुए या नहीं हुए? बेकुसूर थे या कुसूरवार थे? इन्क्वायरी का क्या रिजल्ट निकला? ऐसी कोई जानकारी आपके पास है या नहीं? अगला प्रश्न यह है कि पीलीभीत की जो घटना है (समय की घंटी) समय तो आपको देना पड़ेगा, हमारी पार्टी से एक ही जन बोल रहा है दोनों पर।

خری محمد سلیم: یہ جو بم وسپھوٹ ہوا راۓ بریلی میں۔ اس رپورٹ سے پتہ چلتا ہے کہ بہت بہت ہی شکتی شالی وسپھوٹ تھا یہ۔ لیکن جو بیان یہاں دیا گیا ہے۔ اس میں ایکسپلوسیو میٹریل کے بارے میں کچھ کہا نہیں گیا۔ کیسا تھا کس طرح تھا۔ لیکن ایک انداز سے پتہ چلتا ہے کہ ڈیمریج ہٹانا پڑا کہ اس کے نیچے کوئی اور لاش ہے یا نہیں ہے۔ تو وسپھوٹک پدارتھ جو تھے اس کی شکتی کتنی تھی۔ اس کا اندازہ لگایا جا سکتا ہے۔ فیض آباد کا ذکر آیا۔ اس سے پہلے وہاں بھی ایک مسجد میں اس طرح سے وسپھوٹ ہوا تھا۔ اور ایک ہی جیسا بیان نکلتا ہے۔ گرہہ منترالیہ سے جو بیان نکلتا ہے اس کے آخر میں کہہ دیتے ہیں کہ۔

"A strict watch on the situation is being kept by the senior officers, and police is patrolling Ral Bareilly city."

ایسے ہی دوسرے کیس میں تھا۔ لیکن اسکے فالو آپ ایکشن کے بارے میں گر یہہ منتری جی کچھ کرتے ہیں۔ جیسا میں نے پہلے دوسرے بیان کے بارے میں کہا تھا کہ میل بیگ سروس کے علاوہ گر یہہ منترالیہ کا کوئی اور کام ہے یا نہیں کیونکہ اس میں بھی بتایا گیا ہے۔ رائے بریلی کانڈ میں بھی۔ کہ اب تک ایف۔ آئی۔ آر۔ ہونے کے بعد بھی کوئی اریسٹ نہیں ہوا۔ ... "وقت کی گھنٹی"... میں نے ایک سوال ابھی رکھا ہے۔ بہت سے سوال ہیں۔ اپ سبھا ادھیکش (شری۔ ایچ۔ ہنومن تھپا): کنسائز کرنا ہے پری ایمبل چھوڑ دیجئے۔ اسٹریٹ کویشچن پوچھیے۔

شری محمد سلیم: کوئی اریسٹ ہوا ہے۔ دوسری بات یہ ہے کہ کوئی بیان اگر آپ ایک سدن میں رکھ دیتے ہیں۔ چاہے وہ راجیہ سرکار سے ملا ہو۔ تو آپ کی بھی کچھ ذمہ داری ہوتی ہے۔ تو آپ جب فیض آباد کے سوال پر بھی یہاں رکھے تھے کہ اس کے بعد گرہ ۔ ائی سے بندو بست کیا جائے گا۔ تو آپ نے گر یہہ منترالیہ نے کیا بندو بست کئے تھے کیا آپ نے کبھی خبر بھی رکھی ہے کہ کتنے اریسٹ ہوئے۔ وہ جو اریسٹ ہوئے۔ وہ چارج شیٹ ہوئے یا نہیں ہوئے۔ بے قصور تھے یا قصوروار تھے۔ انکوائری کا کیا رزلٹ نکلا۔ ایسی کوئی جانکاری آپ کے پاس ہے۔ یا نہیں۔ اگلا پرشن یہ ہے کہ پیلی بھیت کی جو گھٹنا ہے۔ ... "وقت کی گھنٹی" سمے تو آپ کو دینا پڑے گا۔ ہماری پارٹی سے ایک ہی جن بول رہا ہے۔ دونوں پر۔

उपसभाध्यक्ष (श्री हेच0 हनुमनतप्पा) नहीं। पीलीभीत के लिए मैं अलग से पुकारता हूं।

श्री मोहम्मद सलीम : एक साथ कर लेते तो समय घट जाता ।

شری محمد سلیم: ایک ساتھ کر لیتے تو سمے گھٹ جاتا۔

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI H. HANUMANTHAFPA): That is the arrangement now.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: You can do so only if you think that there is a connection between Rai Bareilly and Pili-bhit incidents.

मौलाना ओबेदुल्ला खान आजमी (उत्तर प्रदेश) : सर, रायबरेली शहर हमेशा अमन-ओ-अमान का गहवारा रहा है और उस शहर में हमारे मुल्क के बड़े लीडरों—फिरोज गांधी, आंजहानी इंदिरा गांधी जैसे ताकतवर लीडरों ने हमेशा उस शहर की नुमाइंदगी की है। ऐसे हिन्दू-मुस्लिम एकता वाले शहर में इतना जबर्दस्त हादसा हुआ, यह हम सब लोगों के लिए बड़े शर्म की बात है। मैं किसी भी पार्टी पर इल्जाम नहीं लगाता, मैं सिर्फ इतनी बात पूछना चाहता हूं कि जिन कौम अनासिर ने ताकतवर बम

मारकर दो नन्हे-नन्हे बच्चों को शहीद कर दिया, मैं समझता हूं कि किसी भी पार्टी के वे लोग होंगे, उनको हर पार्टी मुजरिम की हैसियत से देखेगी, उनकी कोई भी पार्टी सराहना नहीं कर सकती। सर, मैं सिर्फ स्टेट होम मिनिस्टर साहब से यह जानना चाहता हूं कि मस्जिद में 8:00 बजे बम विस्फोट हुआ, 8.00 बजे मस्जिद में कोई नमाज़ नहीं होती। 8:00 बजे बच्चे क़ुरान पढ़ने के लिए मस्जिद में गए थे, जो जानकारी हमको मिली है। मैं यह जानना चाहता हूं कि मस्जिद में मदरसा चलता है और जो बच्चे मरे हैं, वह पढ़ने के लिए गए थे? नम्बर एक। नम्बर दो, इस हादसे पर नामज़दगी रिपोर्ट भी की गई थी। जिन लोगों पर रिपोर्ट हुई है, मुख्तलिफ ज़राए से इस बात का पता चला है कि उन लोगों को थाने में बुलाया गया और उसके बाद उनको छोड़ दिया गया। मैं सिर्फ यह जानना चाहता हूं कि उनके नाम क्या हैं और उन लोगों का ताल्लुक क्या किसी सियासी पार्टी से है या किसी फिरकापरस्त पार्टी से है? कहीं ऐसा तो नहीं कि हुकूमत-ए-वक्त के दबाव में आकर उन लोगों को थाने से छोड़ दिया और क्या उसके लिए सी0बी0आई0 की तरफ से जांच करवाकर दूध का दूध और पानी का पानी हमारे होम मिनिस्टर साहब क्लिअर करेंगे? शुक्रिया।

مولانا عبیداللہ خاں اعظمی "اتر پردیش": سر۔ رائے بریلی شہر ہمیشہ امن وامان کا گہوارہ رہا ہے اور اس شہر میں ہمارے ملک کے بڑے لیڈروں۔ فیروز گاندھی۔ آنجہانی اندرا گاندھی۔ جیسے طاقتور لیڈروں نے ہمیشہ اس شہر کی نمائندگی کی ہے۔ ایسے ہندو مسلم ایکتا والے شہر میں اتنا زبردست حادثہ ہوا۔ یہ ہم سب لوگوں کے لیے بڑے شرم کی بات ہے۔ میں کسی بھی پارٹی پر الزام

نہیں لگاتا۔ میں صرف اتنی بات پوچھنا چاہتا ہوں کہ جن قوم عناصر نے طاقتور بم مار کر دو ننھے ننھے بچوں کو شہید کر دیا۔ میں سمجھتا ہوں کہ کسی بھی پارٹی کے لوگ ہونگے ان کو ہر پارٹی مجرم کی حیثیت سے دیکھے گی۔ ان کی کوئی بھی پارٹی سراہنا نہیں کر سکتی۔ سر۔ میں صرف اسٹیٹ ہوم منسٹر صاحب سے یہ جاننا چاہتا ہوں کہ مسجد میں صبح آٹھ بجے بم وسپھوٹ ہوا۔ آٹھ بجے مسجد میں کوئی نماز نہیں ہوتی۔ آٹھ بجے بچے مسجد میں قرآن پڑھنے کے لیے گئے تھے۔ جو جانکاری ہم کو ملی ہے۔ میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ مسجد میں مدرسہ چلتا ہے اور جو بچے مرے ہیں وہ پڑھنے کے لیے گئے تھے۔ نمبر ایک۔ نمبر دو۔ اس حادثے میں نامزدگی رپورٹ بھی کی گئی تھی۔ جن لوگوں پر رپورٹ ہوئی ہے۔ مختلف ذرائع سے اس بات کا پتہ چلا ہے کہ ان لوگوں کو تھانے میں بلایا گیا اور اس کے بعد چھوڑ دیا گیا۔ میں صرف یہ بات جاننا چاہتا ہوں کہ ان کے نام کیا ہیں اور ان لوگوں کا تعلق کس سیاسی پارٹی سے ہے یا کسی فرقہ پرست پارٹی سے کہیں ایسا تو نہیں کہ حکومت وقت کے دباؤ میں آکر ان لوگوں کو تھانے سے چھوڑ دیا گیا اور کیا اس کے لیے سی۔ بی۔ آئی۔ کی طرف سے جانچ کروا کر دودھ کا دودھ اور

پانی کا پانی ہمارے ہوم منسٹر صاحب کلیئر کریں گے

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, रायबरेली शहर को मैं बहुत अच्छी तरह से जानती हूं। उपसभाध्यक्ष जी, रायबरेली वह शहर है कि जितनी वहां के सद्भाव की और आपसी भाईचारे की प्रशंसा की जाए, मैं समझती हूं कि वह मिसाल है एक, लेकिन ऐसे खूबसूरत शहर को और इतने सद्भाव वाले शहर में . . .

उपसभाध्यक्ष (श्री हेच० हनुमनतप्पा) : सवाल पर आइए।

श्रीमती सत्या बहिन: जो साम्प्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने की कोशिश की गई और वहां पर एक मस्जिद में जो बम फटा है, मैं माननीय गृह मंत्री जी से यह जानना चाहती हूं कि जिला प्रशासन के सहयोग से, इस मस्जिद में बम फटने से पहले, जो कब्रिस्तान वाला मामला था और जिला प्रशासन की अनुमति से जिसमें दीवार बनाई गई थी और जिसे तोड़ दिया गया है और जहां तक मेरी जानकारी है, उसे तोड़ने वाले विश्व हिन्दू परिषद् के लोग थे। तो क्या उस वक्त उन लोगों में से किसी तोड़ने वालों को, अपराधियों को गिरफ्तार किया? जाहिर है कि ऐसे लोग साम्प्रदायिक सद्भाव को भड़काना चाहते हैं और भड़काने का काम वही करेंगे जिनको साम्प्रदायिक सद्भाव को तोड़ने में और भावनायें भड़काने में लाभ होता होगा। तो मैं यह पूछना चाहती हूं कि ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया या नहीं? यदि नहीं, तो क्यों नहीं किया गया? दूसरे, इसके बाद जाहिर है कि शहर में थोड़ा बहुत तनाव तो रहा ही होगा। मैं वहां के लोगों के धैर्य की प्रशंसा करना चाहती हूं कि इसके बावजूद भी वहां बड़ा दंगा नहीं हुआ। मैं इसके साथ ही यह भी जानना चाहती हूं कि . . . **(व्यवधान)**

मौलाना अबैदुल्ला खान आज़मी : बड़ा भी नहीं, छोटा भी नहीं हुआ . । **(व्यवधान)**

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) : वहां बी०जे०पी० की सरकार है, इसलिए नहीं हुआ । . . . **(व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI P. HANUMANTHAPPA): Please ignore th interventions.

श्रीमती सत्या बहिन : हां, बहुत संक्षेप में। महोदय, मैं यह जानना चाहती हूं कि इस घटना के बाद किसी को गिरफ्तार किया गया है या नहीं किया गया है? दूसरी बात, यह है कि . . . **(व्यवधान)**

उपसभाध्यक्ष (श्री हेच० हनुमनतप्पा) : आखिरी बात ।

श्रीमती सत्या बहिन : रायबरेली की कोतवाली शहर के बीचों-बीच में है। रायबरेली जिला सदर मुख्यालय कोई ज्यादा बड़ा शहर नहीं है। लेकिन जब वहां पर कोतवाली इतनी नजदीक है और शहर के बीच में है, तो जब मस्जिद में विस्फोट हुआ, उसके बाद वहां पुलिस कितनी देर में पहुंची? इसके साथ ही मैं यह भी जानना चाहती हूं कि उसकी निष्पक्षता जानने के लिए क्या केन्द्रीय एजन्सी से उसकी जांच कराई जाएगी या नहीं ?

SHRI N. GIRI PRASAD (Andhra Pradesh) : Mr. Vice-Chairinian, the Home Minister's statement an Rai Bareilly has said that the First Information Report has 'been lodged by the father of the deceased children. Have any persons been nam-ed in the First Information Report by the father of the children and if so, have they been arrested by the police? Has the Central Government, through its agencies, gathered further information or new information? These are the three points on whcih I seek clarifications from the hon. Minister. Also, I would like to know whether the Central Government is willing to pay another ex gratia amount, other than what the State Government is giving Even the other day, we passed some motion here to set up some trust and other things. In view of that, I would like to know whether the Central Government is prepared to make further ex gratia payment to them.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI H. HANUMANTHAPPA): Shri Jagmofaan. Absent Shri Shiv Pratap Mishra.

श्री शिव प्रताप मिश्र (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, रायबरेली जो फिरोज गांधी जी और श्रीमती इंदिरा गांधी का संसदीय क्षेत्र था. . . (**व्यवधान**)

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : राज नारायण जी का भी संसदीय क्षेत्र था।

श्री शिव प्रताप मिश्र : राज नारायण जी का भी क्षेत्र था।. . (**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष (श्री हेच० हनुमनतप्पा) : सुनिए, एक मिनट। राज नारायण को सत्य प्रकाश मालवीय जी भूल गए तो फिर शिव प्रताप मिश्र जी कैसे बोलेंगे ? जब आपका मौका आता है, आप भूल जाते हैं। उनको बोलने तो दीजिए।

श्री शिव प्रताप मिश्र : उपसभाध्यक्ष महोदय, इंदिरा जी साम्प्रदायिकता से लड़ते-लड़ते स्वयं ही नहीं, बल्कि अपने पुत्र के साथ आत्माहुति दे चुकी हैं। राज नारायण जी भी साम्प्रदायिकता के खिलाफ लड़ते रहे।

उपसभाध्यक्ष (श्री हेच० हनुमनतप्पा) : सवाल पर आइये।

श्री शिव प्रताप मिश्र : लेकिन वहां जो बम विस्फोट हुआ, इसके विषय में जो गृह मंत्री जी ने कहा है कि इसकी प्रारम्भिक जांच शुरू हो गई है, मैं जानना चाहूंगा कि जो बम विस्फोट हुआ है, उसकी जांच के लिए फोरेंसिक डिपार्टमेंट का कोई सदस्य रखा गया है या नहीं तथा उसमें कितने सदस्य हैं ?

दूसरी बात, मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या राज्य सरकार प्रारम्भिक जांच में अपनी जांच एजेंसी से इस तथ्य को कुछ निकाल पाई या नहीं ? यदि नहीं, तो क्या केन्द्र सरकार से सी०बी०आई० की सहायता मांगी या नहीं ? यदि नहीं, तो क्या केन्द्र सरकार स्वयं वहां सी०बी०आई० से जांच कराने के लिए उद्यत है या नहीं ?

तीसरा प्रश्न, महोदय, मेरा यह है कि इस समय केवल उत्तर प्रदेश में ही नहीं, रायबरेली में ही नहीं पूरे देश में कुछ अंतर्राष्ट्रीय या राष्ट्रीय नाम पर कुछ लोग देश में अस्थिरता कायम करने के लिए तत्पर हैं। मैं आपको एक उदाहरण दे रहा हूं। बिहार में अभी दो तारीख को 'हिन्दुस्तान टाईम्स में एक समाचार छपा था। यह बड़ा महत्वपूर्ण है। बड़ा महत्वपूर्ण है जिसमें आऊटलाड माओईस्ट कम्युनिस्ट सेंटर के द्वारा वहां पर गांव चक में जो पी.एस. मांटू और जिला पलामू बिहार में है, वहां पर हसनद और उनके 22 वर्षीय पुत्र को, बिस्तर पर जो लेटे हुए थे, उनकी हत्या जिबह करके की गई, उनके शरीर को काट-काटकर किया गया। इस संगठन के लिए ऐसा इसका रिकार्ड जांचा गया है, जो उसकी प्रक्रिया जांची गई है कि केवल अल्पसंख्यकों का ही वध करते हैं। तो क्या उनका भी हाथ यहां पर है कि नहीं और बिहार सरकार ने तो इसका कोई उपचार नहीं किया, न इसकी रोक-थाम के लिए कोई प्रयास किया। उत्तर प्रदेश सरकार इसकी जांच के लिए सक्रिय है कि नहीं है, मैं यह जानना चाहता हूं।

उपसभाध्यक्ष (श्री हेच० हनुमनतप्पा) : श्री सैयद सिब्ते रज़ी।

श्री सैयद सिब्ते रज़ी : मैं दूसरे स्टेटमेंट पर, पीलीभीत के बारे में पूछना चाहूंगा।

उपसभाध्यक्ष (श्री हेच० हनुमनतप्पा) : ठीक है, बैठिए. . . (**व्यवधान**) यह खत्म हो जाने दीजिए। श्री ईश दत्त यादव। एक मिनट।

श्री संघ प्रिय गौतम: मुझे भी टाइम दीजिएगा सर।

श्री विष्णुकान्त शास्त्री : माननीय उपाध्यक्ष जी, गौतम जी वहां के बारे में बहुत अच्छी जानकारी रखते हैं।

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : माननीय सभापति जी, मेरा बहुत सिंपल सा प्रश्न है मंत्री जी से कि 3 तारीख की यह घटना है, 5 तारीख को उन्होंने सदन में बयान दिया है। बयान के अंतिम पैराग्राफ में इन्होंने कहा है कि राज्य सरकार ने सूचित किया है कि "तेज और प्रभावकारी जांच-पड़ताल करने के लिए" . . . (**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष (श्री हेच० हनुमनतप्पा): पढ़ने की जरूरत नहीं है, सवाल पर आइए प्लीज ।

श्री ईश दत्त यादव: मैं पढ़ नहीं रहा हूं। "जांच-पड़ताल विभाग की एक टीम को रायबरेली जाने का निर्देश दे दिया गया है। अभी यू.पी. गवर्नमेंट ने इस टीम को डायरेक्शन दिया है"। तो क्या माननीय मंत्री जी को यह जानकारी है कि यह टीम वहां पर पहुंच गई. . . (**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष (श्री हेच० हनुमनतप्पा) : उसी दिन पहुंच गई। स्टेटमेंट में आ गया है।

SHRI M. M. JACOB: I have already mentioned it in my statement that the CID team has already reached there.

श्री ईश दत्त यादव: अच्छा ठीक है, पहुंच गई। तो इस टीम की जांच का अब तक क्या परिणाम आया है और मान्यवर, मैं बात समाप्त कर रहा हूं। इस विषय से संबंधित नहीं था, माननीय विष्णुकांत शास्त्री जी ने कह दिया कि मुलायम सिंह के समय की तरह इस उत्तर प्रदेश सरकार के शासन में दंगे नहीं हुए हैं। तो मैं आपके माध्यम से माननीय गृह मंत्री जी से यह जानना चाहता हू कि उत्तर प्रदेश के इंटैलिजेंस डिपार्टमेंट ने एक रिपोर्ट दी यू0पी0 के डी.जी. को और वहां के मुख्यमंत्री को कि सन् 90 में जो दंगे हुए उत्तर प्रदेश में उसके लिए एक बड़ी पार्टी के एक बड़े नेता की रथ-यात्रा जिम्मेदार है। तो क्या गृह मंत्री जी उत्तर प्रदेश के इंटैलीजेंस की उस रिपोर्ट को सदन में रखने की कृपा करेंगे जिसमें रथ यात्रा को उत्तर प्रदेश में जो आज भी तनाव है और जो 90 से आज तक सिलसिला चला आ रहा है उसके लिए उत्तर प्रदेश में . . . (**व्यवधान**)

श्री प्रमोद महाजन :*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI H. HANUMANTHAPPA): Whatever Mr. Mahajan says, will not go on record, *(Interruptions)* Now, the Minister.

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: *

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI H. HANUMANTHAPPA): Nothing is going on record. *(Interruptions)* I am not going to sit in judgment. *(Interruptions)* Mala-viyaji, please sit down.

(Interruptions)

Will you please stop ?. . .*(Interruptions)* ...Mr. Yadav, please sit down. . . *(Interruptions).* .That is what I am requesting the Hon. Members. . . *(Interruptions).* . . Mr. Raju, take only one minute.

SHRI J. S. RAJU (Tamil Nadu): Sir, I would like to seek some clarifications regarding to bomb explosion in Rai Bareilly. Has the FIR spelled out any suspect or any group responsible for the bloir.b explosion? Has any request been made or is it a sabotage done by some anti-social' elements? What is found to be the motive of the bomb explosion at a mosque and what was the law and order situation in the town prior to' the bomb explosion? Is the bomb explosion for creating a scare in the community put up there? What is the nature of the bomb? Does it suggest native skill or any foreign marking?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND' MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): Sir, the questions posed by the hon. Members are more or less the same except some little changes and variations made here and there. I have already mentioned in my Statement that the U.P. Government has given Rs. 20,000/- as an ex-gratia payment. That I have already mentioned in my Statement.

*Not recorded,

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI H. HANUMANTHAPPA): They went more.

SHRI M. M. JACOB: One of our colleague who is a Member of Parliament from that constituency, Shrimati Sheiia Kaul, I am told, has visited the place and I have got information that they were able to give some financial support to the affected families. I am told, Rs, 5,000/-was given by a welfare society, Rs. 40,000/- from the P.M's. Relief Fund and Rs. 10,000/- by an M.P. of the locality. Besides that, there is no other relief or financial assistance given.

Another question was raised about the charge-sheet, whether anybody is arrested as per the charge-sheet filed by the.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: There is a difference between FIR and charge-sheet.

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: A charge-sheet is filed after completion of the inveestigation.

SHRI M. M. JACOB: It is based only on the information given by the father of the deceased. A case is filed under sections 147, 148, 149, 302, 153A. 295, 338; 427 and 504 of the IPC. but the investigation is going on The CID has reached there. At this stage it may not be possible for me to say what exactly the nature is

One question was asked about the location of tie bomb, from where it was found. One report of the U.P. Government says that there is every possibility that the bomb exploded under the *chabutra.* And at the same time they have reported that some people who came and assembled there also said, "There is a possibility of somebody throwing the bomb from there in that particular location." Since the matter is under investigation, I can't say anything more. The Government report points not both the possibilities, but from the manner in which the bomb has exploded, it seems it must have been from behind because the *chabutra* was exploded and the children who were there, reading or writing or whatever it is, were blown off. These are the two children who died and this is a very sorrowful incident. Another girl, a 20-year old girl, who was injured is out of danger. I am told, she is all right. It is a communally sensitive area. The UP Government also knows that. Some of the Members were also mentioning that it is a communally sensitive area. In a communally sensitive area the good part is that the police reaches there early and try to pacify the matter. At the moment there is no pro-bjtem of law and order. Peace prevails in that area but tension is also very much prevalent. That is all I can say about the actual scenario. I don't want to take much time for other aspects, like suspicion, people of which community were arrested, etc. According to the information received norjody is arrested as yet. Nobody is arrested so far. I cannot say that anybody is arrested today. I have no information. I verified that till' yesterday nobody was arrested. That is all I can say about this particular incident of Rai Bareilly which is a very condemnable pened.

SHRI ANANT RAM JAISWAL; Is there anybody's name in the FIR?

SHRI M. M. JACOB; I connot say at the moment. *(Interruptions).*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI H HANUMANTHAPPA): He has not seen the FIR. How can he answer?

SHRI M .M. JACOB: I have the report of the UP Government. Nothing is available there.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मोम अफजल : मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि 31 जुलाई को जो कब्रिस्तान की दीवार तोड़ी गई उसकी इन्फरमेशन आपके पास है या नहीं ?

شری محمد افضل عرف م۔ افضل : میں منتری مہودے سے یہ پوچھنا چاہتا ہوں کہ ۳۱ جولائی کو جو قبرستان کی دیوار توڑی گئی اس کی انفارمیشن آپ کے پاس ہے یا نہیں۔

SHRJ M. M. JACOB: I wish the UP Goverrment had sent us more information so that we can furnish more mation mation to you.

श्री विष्णु कांत शास्त्री : क्या वहां इससे पहले भी निरन्तर बम विस्फोट होते रहे हैं, फैजाबाद में, लखनऊ में ? और क्या उनके पीछे पाकिस्तानी एजेंटों का हाथ माना गया है ? (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री हेच० हनुमनतप्पा): उनकी रिपोर्ट हाऊस में डिसकस हो चुकी है ।

SHRI M. M. JACOB: Mr Shastri, I did not want to go deeper into the incident now because it will create some other tension unnecessarily. No communal tension in the House is necessary.

श्री प्रमोदन महाजन : हम को इतनी जानकारी दे दें कि क्या देश में कोई एसा कानून है जिसमें किसी के खिलाफ एफ. आई. आर. दर्ज करके तुरन्त उसको अरेस्ट करना चाहिए

SHRI M. M. JACOB: Explosions ha taken place earlier, but the atmosphi must have teen surcharged. It is ve clear that the Ayodhya incident has crea ed tension in the State and in the cou try, Theiie are many fall-outs here. The is nothing to be hidden about it. That why I was keeping quiet about it. I nev wanted to disclose that kind of atmc phere because we have to somehow achie[1] peace in the locality.

Allocation of time for disposal of Goven meat and other Business

THE VICEvCHAIRMAN (SHRI *I* HANUMANTHAPPA): I have to infon Members that the Business Advisory Com mittee at its meeting held today, the 6ti August, 1992, allotted time for Govern ment Legislative and other Business a follows:

	Business	Time Allotted
1.	Statutory Resolution seeking approval of the continuance in force of the Proclamation issued on 2nd April, 1992 in relation to the Statc of Nagaland.	1 Hour
2.	Statutory Resolution seeking approval of the continuance in force of the Proclamation issued on 18th July, 1990 in relation to the State of Jammu and Kashmir.	2 Hrs. (To be discussed together)
3.	Consideration and return of the Jammu and Kashmir Appropriation (No. 2) Bill, 1992, after it is passed by the Lok Sabha.	
4.	Consideration and return of the following Bills, after they are passed by the Lok Sabha:—	
	(a) The Appropriation (Railways) No. 3 Bill, 1992.	2 Hrs. (To be discussed together)
	(b) The Appropriation (Railways) No. 4 Bill, 1992	
	(c) The Appropriation (No. 3) Bill, 1992.	3 Hrs. (To be discussed together)
	(d) The Appropriation (No. 4) Bill, 1992.	
5.	Consideration and passing of the Foreign Exchange Conservation (Travel) Tax Abolition Bill, 1992, after it is passed by the Lok Sabha.	1 Hour